दीनदयाल शोध संस्थान
कृषि विज्ञान केंद्र,सतना (म.प्र.)

गोमूत्र आधारित जैव कीटनाशी उत्पादन एवं प्रयोग विधि

अ) नीमास्त्र (रस चूसने वाले कीट एवं छोटी सुंडी इल्लियां के नियंत्रण हेतु)

सामग्री :- 5 किलोग्राम नीम की पत्ती या टहनियां, 5 किलोग्राम निम्बोली, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलोग्राम गाय का गोबर

बनाने की विधि : सर्वप्रथम प्लास्टिक के बर्तन में 5 किलोग्राम नीम की पत्तियों की चटनी, और 5 किलोग्राम नीम के फल पीस व कूट कर डालें एवं 5 लीटर गोमूत्र व 1 किलोग्राम गाय का गोबर डालें इन सभी सामग्री को डंडे से चलाकर जालीदार कपड़े से ढक दें। यह 48 घंटे में तैयार हो जाएगा। 48 घंटे में चार बार डंडे से चलाएं। इसके बाद इसको पतले कपडे से छान लें, इस प्रकार आपके पास 5 लीटर कीटनाशक तैयार हो जाता है जो कि एक एकड़ खेत में छिडकाव के लिए पर्याप्त है

प्रयोग करने के अवधि:- नीमास्त्र का प्रयोग छः माह कर सकते है।

सावधानियां:- छाये में रखे व धूप से बचाएं। गोमूत्र प्लास्टिक के बर्तन में ले या रखें।

छिड़काव :- 500 मिली प्रति 15 लीटर पानी की दर से फसल में रस चूसक कीट की रोकथाम के लिए स्प्रे मशीन से छिड़काव करें।

ब) ब्रम्हास्त्र (अन्य कीट एवं बड़ी इल्लियों के नियंत्रण के लिए)

सामग्री :-10 लीटर गोमूत्र, 3 किलोग्राम नीम की पत्ती की चटनी, 2 किलोग्राम करंज की पत्तों की चटनी, 2 किलोग्राम सीताफल पत्ते की चटनी, 2 किलोग्राम बेल के पत्ते, 2 किलोग्राम अंडी के पत्ते की चटनी, 2 किलोग्राम धतूरा के पत्ते की चटनी

बनाने की विधि:- मिट्टी के बर्तन में इन सभी सामग्री में से कोई भी पांच सामग्री के मिश्रण को गोमूत्र में डालकर आधी मात्रा रह जाने तक उबालें और फिर 48 घंटे छाए में ठंडा होने दें, इसके बाद कपड़े से छान लेंI

प्रयोग करने की अवधि:- ब्रह्मास्त्र का प्रयोग छः माह तक कर सकते हैं।

सावधानियां :- भंडारण मिट्टी के बर्तन में करें। गोमूत्र प्लास्टिक के बर्तन में ले या रखें।

फसल में छिड़काव:- 500 मिली प्रति 15 लीटर पानी की दर से फसल में कीट की रोकथाम के लिए स्प्रे मशीन से छिड़काव करें।

स) अग्निअस्त्र (तना एवं फल छेदक कीट के नियंत्रण के लिए)

सामग्री :- 5 किलोग्राम नीम की पत्तियों की चटनी, आधा किलोग्राम तम्बाकू का पावडर, आधा किलोग्राम हरी तीखी मिर्च की चटनी, आधा किलोग्राम लहसुन की चटनी, 10 लीटर गोमूत्र

बनाने की विधि :-मिट्टी के बर्तन में इन सभी सामग्री के मिश्रण को गोमूत्र में डालकर आधी मात्रा रह जाने तक उबालें और फिर 48 घंटे छाए में ठंडा होने दें, इसके बाद कपड़े से छान लेंI

प्रयोग करने की अवधि :- अग्नि अस्त्र का प्रयोग केवल तीन माह तक कर सकते हैं।

सावधानियां:- मिट्टी के बर्तन पर ही सामग्री को उबल आने दे।

छिड़काव :- 500 मिली प्रति 15 लीटर पानी की दर से फसल में कीट की रोकथाम के लिए स्प्रे मशीन से छिड़काव करें।